

SYLLABUS
M.A. (SANSKRIT) PART-II
(SEMESTER III AND IV)
For Session 2017-2018

There are eight papers and two semesters in M.A. (Sanskrit) Part-II (four papers in each semester). Each paper carries 100 marks and is for three hours duration. For each paper 75 marks are of Theory and Twenty Five marks are of Internal Assessment.

III Semester

- Paper-IX अनुवाद और निबन्ध
 Paper-X संस्कृत साहित्य का इतिहास
 Paper-XI संस्कृत व्याकरण
 Paper-XII काव्यशास्त्र और उसका इतिहास

IV Semester

Paper-XIII, XIV, XV & XVI निम्नलिखित में से एक वर्ग (group)

Group-A वैदिक साहित्य

- Paper-XIII वैदिक संहिताएं और व्याख्या पद्धतियां
 Paper-XIV वैदिक संहिताएं और संस्कृति
 Paper-XV ब्राह्मण और वेदांग (1)
 Paper-XVI ब्राह्मण और वेदांग (2)

Group-B साहित्य और साहित्य सिद्धान्त

- Paper-XIII साहित्य सिद्धान्त
 Paper-XIV गद्य और चम्पू काव्य
 Paper-XV काव्य और नाटक
 Paper-XVI आधुनिक काव्य और विश्व साहित्य

Group-C भारतीय दर्शन

- Paper-XIII वेदान्त, न्याय, वैशेषिक और चार्वाक
 Paper-XIV वेदान्त, न्याय, वैशेषिक बौद्ध और अर्हत्
 Paper-XV सांख्य-योग, मीमांसा और भारतीय दर्शन का इतिहास (1)
 Paper-XVI सांख्य-याग, मीमांसा और भारतीय दर्शन का इतिहास (2)

Group-D संस्कृत व्याकरण

- Paper-XIII संस्कृत व्याकरण (1)
 Paper-XIV संस्कृत व्याकरण (2)
 Paper-XV संस्कृत व्याकरण (3)
 Paper-XVI संस्कृत व्याकरण (4)

SEMESTER – III

Paper -IX

अनुवाद और निबन्ध

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

इस इकाई के चार भाग हैं।

- (क) कारक नियमों को ध्यान में रखते हुए हिन्दी से संस्कृत में अनुवादार्थ 12 वाक्य देकर 6 वाक्य करने को कहा जाये। इसके 6 अंक हैं।
- (ख) कोई दो गद्य - खण्ड हिन्दी में देकर उनमें से एक का अनुवाद संस्कृत में करने को कहा जाये। इसके 6 अंक हैं।
- (ग) संस्कृत में कोई दो सरल अपठित पद्य देकर एक का अनुवाद करने को कहा जाये। इसके 5 अंक हैं।
- (घ) संस्कृत में कोई दो सरल गद्य खण्ड देकर एक का अनुवाद करने को कहा जाये। इसके 5 अंक हैं।

(6+6+5+5 =22)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई में संस्कृत भाषा, प्रमुख कवि (वाल्मीकि, व्यास, कालिदास, भारवि, माघ, बाणभट्ट, भवभूति) और पर्यावरण विषयों में से चार निबन्ध देकर इनमें से एक निबन्ध संस्कृत में लिखने को कहा जाये। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस इकाई में से काव्यशास्त्रीय आचार्य (भरत, भामह, दण्डी, आनन्दवर्धन, मम्मट, कान्तक, जगन्नाथ) और छः काव्यशास्त्रीय संप्रदायों में से कोई चार निबन्ध देकर इनमें से एक निबन्ध संस्कृत में लिखने को कहा जाये। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत) और (संस्कृत से हिन्दी)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	निबन्ध (कवियों और काव्यशास्त्रियों से सम्बद्ध) और (काव्यशास्त्रियों आचार्यों से सम्बद्ध)	23 अंक

द्वितीय भाग : (३० अंक)

इस भाग में सन्धि, समास, कृदन्त, वाच्य, कारक आदि के व्यावहारिक संस्कृत से सम्बद्ध और निबन्ध लेखन से सम्बद्ध लघु उत्तर दस प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।) इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (3 x 10 = 30)

Books Recommended for Study

1. बृहद् अनुवादचन्द्रिका: चक्रधर नौटियाल, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1984
2. प्रौढरचनानुवादकौमुदी: कपिलदेव द्विवेदी : विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1985
3. संस्कृत रचनानुवाद प्रभा : श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, बाजार मेरठ, 1984-85
4. अनुवाद-चन्द्रिका : यदुनन्द मिश्र, चौखम्बा ओरियण्टल, दिल्ली, 1990
5. प्रबन्धरत्नाकर : रमेश चन्द्र शुक्ल, चौखम्बा ओरियण्टल, दिल्ली, 1990
6. निबन्धचन्द्रिका : रमेश चन्द्र शुक्ल, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1991
7. संस्कृत निबन्धावली : हंसराज अग्रवाल, चौखम्बा ओरियण्टल, दिल्ली, 1991
8. निबन्ध सुधा : कपिलदेव त्रिपाठी, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली, 1993
9. निबन्ध शतकम् : डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

Paper -X

संस्कृत साहित्य का इतिहास

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

(क) इस भाग के अन्तर्गत रामायण और महाभारत निर्धारित है। एतत् सम्बद्ध प्रदत्त विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर

उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (12 x 1 = 12)

- (ख) इस भाग के अन्तर्गत महाकाव्य का उद्भव, विकास एवं प्रमुख कवि निर्धारित है। एतत् सम्बद्ध विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत गद्य काव्य का उद्भव, विकास एवं प्रमुख कवि निर्धारित है। एतत् सम्बद्ध विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाये। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत नाटक का उद्भव विकास, विशेषताएं तथा प्रमुख कवि निर्धारित है। एतत् सम्बद्ध प्रदत्त विषयों में से कोई दो प्रश्न देकर उनमें से एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

- प्रथम इकाई : (क) रामायण और महाभारत : समय, क्रम, समाज, परवर्ती ग्रन्थों पर प्रभाव-प्रेरणा स्रोत और साहित्यिक महत्त्व के प्रश्न पूछे जायें। (22 अंक)
- (ख) महाकाव्य (उद्भव और विकास, कालिदास, अश्वघोष, भारवि, माघ, श्रीहर्ष)
- द्वितीय इकाई : (क) गद्य-साहित्य (उद्भव और विकास, सुबन्धु, बाणभट्ट, दण्डी) (23 अंक)
- (ख) नाटक-साहित्य (उद्भव और विकास, भास, कालिदास, शूद्रक, भट्टनारायण)
- विशाखदत्त, भवभूति,

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।) (3 x 10 = 30)

Books Recommended for Study

1. History of Sanskrit Literature: A.B. Keith or its Hindi Translation by Mangal Motialal Banarsi Das, Delhi 1986
2. Sanskrit Drama : A. B. Keith or its Hindi Translation by Udaya Bhanu Singh (Part-I and II only) Moti Lal Banarsi Das, Delhi 1986.
3. History of Sanskrit Literature: A. A. Macdonell, Chowkhamba Vidya Bhawan, Varanasi, 1962
4. History of Sanskrit Literature : M. Winternitz or its Hindi translation by Ram Chander Pandey Subhrajha and Sri Niwas Sharma, Moti Lal Banarsi Dass, Delhi 1986.
5. History of Sanskrit Literature : S. K. De, Calcutta University, Calcutta 1977.
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास : राधा वल्लभ त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
7. संस्कृत साहित्य का इतिहास : वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. संस्कृत साहित्य का इतिहास : लेखक, कीथ, हिन्दी अनुवाद डॉ. मंगलदेव शास्त्री, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
9. संस्कृत साहित्यविमर्श : द्विजेन्द्रनाथ शास्त्री, गुरुकुल वृन्दावन स्नातक शोध संस्थान, ए-5/3, राणा प्रताप बाग, दिल्ली-110007
10. संस्कृत साहित्य का विशद इतिहास : पुष्पा गुप्ता (लेखिका), ईस्टर्न बुक बाज़ार, मेरठ।

Paper -XI**संस्कृत व्याकरण**

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई**(२२ अंक)**

- (क) इस भाग के अन्तर्गत लघु-सिद्धान्त कौमुदी का पूर्व-कृदन्त प्रकरण निर्धारित है। इसके 'I' खण्ड में चार सूत्र देकर दो की व्याख्या करने को कहा जाए। इसके छः अंक हैं। इसी इकाई के 'II' खण्ड में कृदन्त प्रकरण से चार शब्द देकर दो की रूप-सिद्धि सूत्र उल्लेखपूर्वक पूछी जाए। इसके छः अंक हैं।
(I - 3 x 2 = 6) (II - 3 x 2 = 6)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत लघु-सिद्धान्त कौमुदी का समास प्रकरण निर्धारित है। इसके 'I' खण्ड में चार सूत्र देकर दो की व्याख्या करने को कहा जाए। इसके 5 अंक हैं। इसी इकाई के 'II' खण्ड में समाप्त प्रकरण से चार शब्द देकर दो की रूप-सिद्धि सूत्र उल्लेखपूर्वक पूछी जाए। इसके पाँच अंक हैं। (I - 2½ x 2 = 5) (II - 2½ x 2 = 5)

द्वितीय इकाई**(२३ अंक)**

- (क) इस भाग के अन्तर्गत लघु-सिद्धान्त कौमुदी का तद्धित प्रकरण (आरम्भ से ठगाधिकार पर्यन्त) निर्धारित है। इसके 'I' खण्ड में चार रूप देकर दो की सिद्धि करने को कहा जाए। इसके छः अंक हैं। इसी इकाई के 'II' खण्ड में चार सूत्र देकर दो की व्याख्या करने को कहा जाए। इसके छः अंक हैं। (I - 3 x 2 = 6 & II - 3 x 2 = 6)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत लघु-सिद्धान्त कौमुदी का तद्धित (यदाधिकार से स्वार्थिक पर्यन्त) प्रकरण निर्धारित है। इसके 'I' खण्ड में चार शब्द देकर दो की सिद्धि करने को कहा जाये। इसके छः अंक हैं। इसी इकाई के 'II' खण्ड में चार सूत्र देकर दो की व्याख्या करने को कहा जाए। इसके पाँच अंक हैं। (I - 3 x 2 = 6) (II - 2½ x 2 = 5)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	: पूर्व कृदन्त (लघु सिद्धान्त कौमुदी से) और समास प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी से)	23 अंक
द्वितीय इकाई	: तद्धित प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी से आरम्भ से ठगाधिकार पर्यन्त) और तद्धित प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी से यदाधिकार से स्वार्थिक पर्यन्त)	22 अंक

द्वितीय भाग :

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।)

30 अंक

Prescribed Test Books

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्या. धरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी, व्या. भीम सेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, दिल्ली।

Books Recommended for Study

1. संस्कृत व्याकरण प्रवेशिका : बाबू राम सक्सैना (लेखक), राम नारायण बेनी माधव, इलाहाबाद।
2. व्याकरण चन्द्रोदय (1 से 5 खण्ड) : चारुदेव शास्त्री (लेखक), रामनारायणलाल बेनी प्रसाद, दिल्ली।
3. हायर संस्कृत ग्रामर : एम. आर. काले (लेखक), कपिलदेव द्विवेदी (अनु), रामायणलाल बेनी प्रसाद, इलाहाबाद।

Paper -XII

काव्यशास्त्र और उसका इतिहास

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- (क) इस भाग में ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस भाग में ध्वन्यालोक (द्वितीय उद्योत) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए। (5 x 2 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग में निर्धारित काव्यशास्त्रीय सम्प्रदायों में से तीन सम्प्रदाय देकर किसी एक पर लेख लिखने को कहा जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस भाग में निर्धारित काव्यशास्त्रीय आचार्यों में से कोई चार काव्यशास्त्रीय आचार्यों का परिचय और काव्यशास्त्र को उनके योगदान विषय पर प्रश्न पूछकर दो प्रश्नों का उत्तर लिखने को कहा जाए। (5½ x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	ध्वन्यालोक (प्रथम और द्वितीय उद्योत)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	रस, ध्वनि, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति और औचित्य सम्प्रदाय प्रमुख काव्यशास्त्रीय आचार्यों का परिचय और योगदान (भरत, भामह, दण्डी, वामन, कुन्तक, क्षेमेन्द्र, मम्मट, विश्वनाथ, आनन्दवर्धन, अभिनवगुप्त और जगन्नाथ)	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।)

30)

(3 x 10 =

Books recommended for Study

1. ध्वन्यालोक : आनन्दवर्धनकृत (संपा. जगन्नाथ पाठक), चौखम्बा अमर
2. ध्वन्यालोक : आनन्दवर्धनकृत (व्या. विश्वेश्वर), वाराणसी, ज्ञान मण्डल लिमिटेड, विद्या भवन, वाराणसी।
3. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : पी. वी. काणे, मोतीलाल बनारसी, दास, वाराणसी।
4. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंशसहाय हीरा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र (संस्कृत) का इतिहास : राजवंशराय हीरा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
6. अलंकारशास्त्र की परम्परा : कृष्ण कुमार, साहित्य भण्डार, सुभाष बाज़ार, मेरठ।
7. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : कृष्ण भण्डार, सुभाष बाज़ार, मेरठ।
8. History of Sanskrit Poetics; S. K. De, KLM Pvt. Ltd, Calcuta, 1985 हि. अनु. मायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।
9. Studies on Some Concepts on the Alankara Shastra: V. Raghvan. The Adhyar Library, Adyar, 1942.

SEMESTER - IV

Group – A :

वैदिक साहित्य

Paper -IX

वैदिक साहित्य और व्याख्या पद्धतिया

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- क-I इस इकाई में ऋग्वेद निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। इस प्रश्न भाग के आठ अंक होंगे।
- क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त मन्त्रों में आने वाले चार पदों में से किन्हीं दो विशिष्ट पदों पर व्याकरणिक टिप्पणी पूछी जाए। इस प्रश्न भाग के चार अंक होंगे। (8 + 4 = 12)
- ख-I इस भाग में अथर्ववेद संहिता निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। इस प्रश्न के छः (6) अंक होंगे।
- ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त मन्त्रों में आने वाले चार पदों में से किन्हीं दो विशिष्ट पदों पर व्याकरणिक टिप्पणी पूछी जाए। इस प्रश्न भाग के चार अंक होंगे। (6+ 4 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग में वाजसनेयिशुक्ल-यजुर्वेद संहिता निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित अंश में से कोई छः मन्त्र देकर किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (4 x 3 = 12)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत वैदिक साहित्य की व्याख्या की पद्धतियाँ निर्धारित हैं। इस निश्चित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई : An Intensive study of the following hymns of Rigveda with the commentaries of Venkatamandhava, Sayana and Modern Interpretations by Griffith, Macdonell and Swami Dyanand. 1.25, 3.33, 7.86, 10.14, 10.21, 10.135, Atharvaveda Samhita (Saunakiya) 1.29, 3.30, 4.15, 4.16, 13.3, 20.53, 22 अंक

द्वितीय इकाई : Vajasaneya Shukla Yajurveda Samhita (Adhyayas: 1,2,32,34) The History and Principles of different systems of Vedic Interpretation 23 अंक

द्वितीय भाग : (३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें से कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (3 x 10 = 30)

Prescribed Text Books

1. ऋग्वेद : सं. विश्वबन्धु विश्वेश्वरानन्द, वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर।
2. अथर्ववेद : (सायणभाष्य) सम्पादित, विश्वबन्धु : विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर।
3. अथर्ववेद : व्या. रामनाथ वेदालंकार, गीता मंदिर, ज्वालापुर, हरिद्वार।
4. अथर्ववेद : (सायणभाष्य हि. अनु. रामस्वरूप गौड़) चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
5. वाजसनेयिशुक्ल यजुर्वेद संहिता : (उब्बट महीधर भाष्यसहित) मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।

Books Recommended for Study

1. History and Principles of Vedic Interpretation by Dr. R. Gopal, Delhi.

Paper -XIV

वैदिक संहिताएं और संस्कृति

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।

2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालिस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- क-I इस इकाई में ऋग्वेद निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। इस प्रश्न भाग के आठ अंक होंगे।
- क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त मन्त्रों में आने वाले चार पदों में से किन्हीं दो विशिष्ट पदों पर व्याकरणिक टिप्पणी पूछी जाए। इस प्रश्न भाग के चार अंक होंगे। (8 + 4 = 12)
- ख-I इस इकाई में अथर्ववेद संहिता निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। इस प्रश्न भाग के आठ अंक होंगे।
- ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में उपर्युक्त मन्त्रों में आने वाले चार पदों में से किन्हीं दो विशिष्ट पदों पर व्याकरणिक टिप्पणी पूछी जाए। इस प्रश्न भाग के चार अंक होंगे। (6 + 4 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई में वाजसनेयिशुक्ल-यजुर्वेद निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित अंश में से कोई छः मन्त्र देकर किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (4 x 3 = 12)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत वैदिक साहित्य की व्याख्या की पद्धतियाँ निर्धारित हैं। इस निश्चित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

- Unit-I : An Intensive study of the following hymns of Rigveda with the commentaries of Venkatamandhava, Sayana and Modern Interpretations by Griffith, Macdonell and Swami Dyanand. 10.14, 10.121, 10.135
Adtharvaved a Samhita (Saunakiya) 4.16, 13.3, 20. 53
(22 marks)
- Unit-II : Vajasaneya Shukla Yajurveda Samhita (Adhyayas : 32, 34)
Following Topics : Religious, Political and Economical and Social Condition during Vedic Period
(23 marks)

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।)

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. ऋग्वेद: सं. विश्वबन्धु विश्ववेश्वरानन्द, वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर।
2. अथर्ववेद : (सायणभाष्य) सम्पादित, विश्वबन्धु : विश्ववेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर।
3. अथर्ववेद : व्या. रामनाथ वेदालंकार, गीता मंदिर, ज्वालापुर, हरिद्वार।
4. अथर्ववेद : (सायणभाष्य हि. अनु. रामस्वरूप गौड़), चौखम्बा, संस्कृत भवन, वाराणसी।
5. वाजसनेयिशुक्ल यजुर्वेद संहिता : (उब्वट महीधर भाष्यसहित) मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली।

Books Recommended for Study

1. प्राचीन भारतीय साहित्य की सांस्कृतिक भूमिका, राम जी उपाध्याय, वाराणसी।
2. प्राचीन भारत की संस्कृति और सभ्यता, अनु. गुषाकर भुले, दामोदर धर्मानंद कोसंबी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. Civilization of Ancient India, Lowis Renou. Tr. by Phillip Sphatt, Calcutta

Paper -XV

ब्राह्मण और वेदांग (i)

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

(क) इस भाग के अन्तर्गत शतपथ ब्राह्मण निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र (प्रत्येक ग्रन्थ में से दो मन्त्र) देकर क्रमशः किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (6 x 2 = 12)

(ख) इस इकाई के अन्तर्गत कात्यायन गौतमसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5 x 2 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत आश्वलायन गृह्यसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत आपस्तम्ब श्रौतसूत्र का प्रश्न दर्शपूर्णमासेष्टिः निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	शतपथ ब्राह्मण (प्रथम काण्ड का प्रथम अध्याय) और कात्यायन श्रौतसूत्र (प्रथम अध्याय)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	आश्वलायन गृह्यसूत्र (प्रथम अध्याय) और आपस्तम्ब श्रौतसूत्र, प्रश्न दर्शपूर्णमासेष्टि	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।
(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. शतपथ ब्राह्मण : (सं. एस. बेबर, हि. अनु. गंगाप्रसाद उपाध्याय) गोविन्द राम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली-6, 1988
2. वृहद्देवता : शौनकाचार्य (हि. अनु. रामकुमार राय) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1988
3. कात्यायन श्रौतसूत्र : (सं. ए. बेबर), चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. आश्वलायन गृह्यसूत्र : (नारायण सं. टी.) ईस्टर्न बुक लिंकरज, विजय नगर, दिल्ली, 1976

Books Recommended for Study

1. The Religion and Philosophy of the Veda and Upnishad : A. B. Keith, Moti Lal Banarsi Da, Delhi, 1976.
2. History of Indian Literature Part-1 : M. Winternitz, Moti Lal Banarsi Das, Delhi 1981
3. Vedic Mythology: A. A. Macdonell (Hindi Trans. Dr. Surya Kant) Meherchand Lachman Dass, New Delhi, 1982
4. Treatment to Nature in the Rigveda : B. B. chubey, Vedic Sahtya Sadan, Hoshiarpur, 1970
5. ऋग्वेद के दार्शनिक तत्त्व : गणेशदत्त पाण्डे, विमल प्रकाशन, 413/ए, रामनगर, गाज़ियाबाद।
6. Culture and Civilization as revealed in Sharuta Sutras : R. N. Sharma, Nag Publisher, Jawahar Nagar, Delhi.
7. Religion of Vedas : M. Bloomfield, Chawkhamba Sanskrit Bhavana, Varanasi.

Paper -XVI**ब्राह्मण और वेदांग (ii)**

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई**(२२ अंक)**

- (क) इस भाग के अन्तर्गत शतपथ ब्राह्मण निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार मन्त्र (प्रत्येक ग्रन्थ में से दो मन्त्र) देकर क्रमशः किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए।

(6 x 2 = 12)

- (ख) इस भाग के अन्तर्गत कात्यायन श्रौतसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए।

(5 x 2 = 10)**द्वितीय इकाई****(२३ अंक)**

- (क) इस भाग के अन्तर्गत आश्वलायन गृह्यसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। **(6 x 2 = 12)**

- (ख) इस भाग के अन्तर्गत आपस्तम्ब श्रौतसूत्र-प्रश्न दर्शपूर्णमा सेष्टिः निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित भाग में से से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। **(5½ x 2 = 11)**

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	शतपथ ब्राह्मण काण्ड पाच, वाजसनेयी और कात्यायन श्रौतसूत्र (प्रथम अध्याय)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	आश्वलायन गृह्यसूत्र (द्वितीय अध्याय) और आपस्तम्ब श्रौतसूत्र, प्रश्न 1, 2	23 अंक

द्वितीय भाग :**(३० अंक)**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत आए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. शतपथ ब्राह्मण : (सं. एस. बेबर, हि. अनु. गंगाप्रसाद उपाध्याय) गोविन्द राम हासानन्द, नई सड़क, दिल्ली-6, 1988
2. बृहद्देवता : शौनकाचार्य (हि. अनु. रामकुमार राय) चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1988
3. कात्यायन श्रौतसूत्र : (सं. ए. बेबर), चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
4. आश्वलायन गृह्यसूत्र : (नारायण सं. टी.) ईस्टर्न बुक लिंकरज, विजय नगर, दिल्ली, 1976
5. आपस्तम्ब और सूत्र, गोपालाचार्य, मैसूर।

Books Recommended for Study

1. The Religion and Philosophy of the Veda and Upnishad : A. B. Keith, Moti Lal Banarsi Da, Delhi, 1976.
2. History of Indian Literature Part-1 : M. Winternitz, Moti Lal Banarsi Das, Delhi 1981
3. Vedic Mythology: A. A. Macdonell (Hindi Trans. Dr. Surya Kant) Meherchand Lachman Dass, New Delhi, 1982
4. Treatment to Nature in the Rigveda : B. B. chubey, Vedic Sahtya Sadan, Hoshiarpur, 1970
5. ऋग्वेद के दार्शनिक तत्त्व : गणेशदत्त पाण्डे, विमल प्रकाशन, 413/ए, रामनगर, गाज़ियाबाद।
6. Culture and Civilization as revealed in Sharuta Sutras : R. N. Sharma, Nag Publisher, Jawahar Nagar, Delhi.
7. Religion of Vedas : M. Bloomfield, Chawkhamba Sanskrit Bhavana, Varanasi.

SEMESTER - IV

Group – B :

Paper -XIII

साहित्य और साहित्य सिद्धान्त

साहित्य सिद्धान्त

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।

3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- (क) इस भाग में काव्यप्रकाश (प्रथम, द्वितीय व तृतीय उल्लास) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए।

(6 x 2 = 12)

- (ख) इस इकाई में काव्यप्रकाश (चतुर्थ उल्लास एवं पंचम उल्लास सम्पूर्ण) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए।

(5 x 2 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग में वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए।

(6 x 2 = 12)

- (ख) इस भाग में काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार कारिकाएं देकर उनमें से किन्हीं दो की प्रसंग सहित व्याख्या करने को कहा जाए।

(5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	काव्यप्रकाश (प्रथम, द्वितीय व तृतीय उल्लास) और काव्यप्रकाश (चतुर्थ उल्लास एवं पंचम उल्लास सम्पूर्ण)	22 अंक
तृतीय इकाई :	वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) और काव्यमीमांसा (1 से 5 अध्याय)	23 अंक

द्वितीय भाग :

३० अंक

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर वाले प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए प्राध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें)।

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. काव्यप्रकाश : मम्मट कृत (व्या. श्री निवास शास्त्री), साहित्य भण्डार, मेरठ।
2. काव्यप्रकाश : मम्मट कृत (व्या. आचार्य विश्वेश्वर), ज्ञान मण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
3. वक्रोक्तिजीवितम् : कुन्तक कृत (व्या. राधेश्याम मिश्र), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. वक्रोक्तिजीवितम् : कुन्तक कृत (व्या. आचार्य विश्वेश्वर), हिन्दी अनुसंधान परिषद्, दिल्ली।
5. काव्यमीमांसा : राजशेखर कृत (व्या. गंगासागर राय) चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।

Books Recommended for Study

1. संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : पी. वी. काणे, मोतीलाल बनारसी दास, वाराणसी।
2. History of Sanskrit Poetics : S. K. De, KLM Pvt. Ltd, Calcutta, 1985, हि. अनु. मायाराम शर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना।
3. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिनिधि सिद्धान्त : राजवंशसहाय हीरा, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
4. Studies on Some concepts, on the Alankara Shastra: V. Raghvan. The Adyar Library, Adyar, 1942.

Paper -XIV

गद्य और चम्पूकाव्य

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई :

(२२ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत बाणभट्ट कृत कादम्बरी (कथामुख) निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से चार अवतरण देकर किसी दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5½ x 2 = 11)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत बाणभट्ट कृत कादम्बरी (कथामुख) निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से चार अवतरण देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5½ x 2 = 11)

द्वितीय इकाई :

(२३ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत बाणभट्ट कृत (हर्षचरित का पंचम उच्छ्वास) निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से चार अवतरण देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए।

(6 x 2 = 12)

- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत भोजराज कृत रामायण चम्पू बालकाण्ड (श्लोक 1 से 50 तक) निर्धारित है। पाठ्यक्रम में

निश्चित भाग में से चार श्लोक देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई : (क) कादम्बरी (कथामुख, आरम्भ से अगस्त्याश्रम) और (ख) कादम्बरी (कथामुख पम्पासरोवर वर्णन से अन्त तक)	22 अंक
द्वितीय इकाई : हर्षचरित (पंचम उच्छ्वास) और रामायण चम्पू (बालकाण्ड 1 से 50 तक)	23 अंक
द्वितीय भाग :	(३० अंक)
इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।)	(3 x 10 = 30)

Books Recommended for Study

1. कादम्बरी : बाणभट्ट (चन्द्रकला सं. हि. व्या. शेषराज शर्मा), चौखम्बा सुरभारती भोजराज प्रकाशन, वाराणसी।
2. हर्षचरित : बाणभट्ट, जगन्नाथ पाठक (व्या.), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3. रामायण चम्पू : भोजराजकृत (राजचन्द्र विरचित व्या.), चौखम्बा औरण्टालिया, बैंगलो रोड, दिल्ली।

Paper -XV

काव्य और नाटक

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- (क) इस भाग में नैषधचरित का प्रथम सर्ग (श्लोक 1-75) निर्धारित है। इस सर्ग में से कोई चार श्लोक देकर दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस इकाई में नैषधचरित का प्रथम सर्ग (श्लोक 76-145) निर्धारित है। इसमें से कोई चार श्लोक देकर दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5 x 2 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई में उत्तररामचरितम् नाटक का (1 से 3 अंक) निर्धारित है। निर्धारित भाग में से कोई चार अवतरण देकर दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस इकाई में उत्तररामचरितम् नाटक का (4 से 7 अंक) निर्धारित है। निर्धारित भाग में से कोई चार अतरण देकर दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

- प्रथम इकाई : (क) नैषधचरित प्रथम सर्ग (श्लोक 1-75) 22 अंक
 (ख) नैषधचरित प्रथम सर्ग (श्लोक 76-145)
- द्वितीय इकाई : (क) उत्तररामचरितम् (1 से 3 अंक) 23 अंक
 (ख) उत्तररामचरितम् (4 से 7 अंक)

द्वितीय भाग :

३० अंक

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। (इनका अभ्यास कराते हुए अध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें।)

(3 x 10 =

30)

Prescribed Test Books

1. नैषधचरितम् : श्रीहर्ष (जीवातु मणिप्रभा सं. हि. व्या.) चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
2. उत्तररामचरितम् : भवभूति, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।

Paper -XVI

आधुनिक काव्य और विश्व साहित्य

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

२२ अंक

- (क) इस भाग में 'रामकीर्तिमहाकाव्यम्' (सर्ग 4 तथा 7) निर्धारित है। इस निर्धारित सर्गों में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस भाग में 'भाति में भारतम्' (सम्पूर्ण) निर्धारित है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5 x 2 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग में 'जानकी जीवनम्' (सर्ग 7वां) है। इस निर्धारित भाग में से कोई चार श्लोक देकर उनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस इकाई में 'यूथिका' (सम्पूर्ण) निर्धारित है। इनमें से कोई चार श्लोक देकर उनमें से दो की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	रामकीर्तिमहाकाव्यम् (सर्ग 4-7) और भाति में भारतम् (सम्पूर्ण)	22 अंक
द्वितीय इकाई :	जानकी जीवनम् (सर्ग 7वां) और यूथिका (सम्पूर्ण)	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। ये प्रश्न शैली, रस, पात्र, कथा वैशिष्ट्य, सर्ग कथा सार, अंक कथा सार, प्रस्तावना, अंक, विष्कम्भक, आदि से सम्बद्ध होंगे। (इनका अभ्यास कराते हुए प्राध्यापक विद्यार्थियों की संस्कृत सम्भाषण की शक्ति को विकसित करें)।

30)

(3 x 10 =

Prescribed Test Books

1. रामकीर्तिमहाकाव्यम् : सत्यव्रत शास्त्री, भारतीय विद्या प्रकाशन, दिल्ली।

2. भाति में भारतम् : रमाकांत शुक्ल, देव वाणी परिषद्, उत्तम नगर, दिल्ली।
3. जानकी जीवनम् : वैजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. यूथिका : रेवा प्रसाद द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, ज्ञानपुर भदोई।

Group-C
Paper -XIII

भारतीय दर्शन
वेदान्त, न्याय, वैशेषिक और चार्वाक

Max. Marks : 100
Pass Marks : 35%
Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

(क) इस भाग के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निश्चित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)

(ख) इस भाग के अन्तर्गत न्यायदर्शन निश्चित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

(क) इस भाग के अन्तर्गत प्रशस्तपादभाष्य निर्धारित है। पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निश्चित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (12 x 1 = 12)

(ख) इस इकाई में सर्वदर्शन-संग्रह ग्रंथ निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो अवतरण देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य सहित) (प्रथम अध्याय-ईक्षत्यधिकरण)	22 अंक
	न्यायदर्शन (वात्स्यायन भाष्य सहित) प्रथम अध्याय-आह्निक-1	
द्वितीय इकाई :	प्रशस्तपाद भाष्य (मनोनिरूपण पर्यन्त) और	23 अंक
	सर्वदर्शन संग्रह - चार्वाक दर्शन	

द्वितीय भाग : (३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 =
30)

Prescribed Test Books

1. ब्रह्मसूत्र : (वेदान्त पारिजान सौरभ तथा वेदान्त कौस्तुभ टी.), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1994
2. ब्रह्मसूत्र : (विद्यानन्दवृत्ति, स्वामी विद्यानन्द गिरि), कैलाश आश्रम, मुनि की रेती, ऋषिकेश।
3. ब्रह्मसूत्र : (शांकरभाष्य सहित, हि. व्या. सत्यानन्द सरस्वती), गोविन्द मठ टेढी नीम, वाराणसी, 1982
4. न्यादर्श : (वात्स्यायन भाष्य सहित), चौखम्बा संस्कृत संस्थान, 1968
5. प्रशस्तपादभाष्य : प्रशस्तपाद (हि. व्या. नारायण मिश्र), चौखम्बा संस्कृत सीरीज, आफिस, 1966
6. सर्वदर्शनसंग्रह : मध्यवाचार्य (भाष्य, उमा शंकर शर्मा), चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी, 1982
7. सर्वदर्शनसंग्रह : मध्वाचार्य (गोविन्द सूरी कृत भाषा टी.), लक्ष्मी वेंकटेश्वर प्रैस, कल्याण, मुम्बई।
8. सर्वदर्शनसंग्रह : मध्वाचार्य (English Trs. by Cowell & Gough), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी।
9. न्यायदर्शन : (वात्स्यायन भाष्य सहित, हिन्दी व्या. दुण्डिराज शास्त्री), चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी।

Paper -XIV

वेदान्त, न्याय, वैशेषिक बौद्ध और अर्हत्

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र निर्धारित है। पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निश्चित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत न्यायदर्श निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निर्धारित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई के अन्तर्गत प्रशस्तपादभाष्य निर्धारित है। पाठ्यक्रम के अन्तर्गत निश्चित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या करने को कहा जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस इकाई में सर्वदर्शन-संग्रह ग्रंथ निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो अवतरण देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई : ब्रह्मसूत्र (शांकरभाष्य सहित), (प्रथम अध्याय-आनन्दमयाधिकरण) और न्यायदर्शन (वात्स्यायन भाष्य सहित) प्रथम अध्याय-आह्निक-2	22 अंक
तृतीय इकाई : प्रशस्तपाद भाष्य (मनोनिरूपण की समाप्ति से अंत तक) और सर्वदर्शन संग्रह -बौद्ध, अर्हत् (जैन) दर्शन	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 =
30)

Prescribed Test Books

1. ब्रह्मसूत्र : (शांकरभाष्य सहित, हि. व्या. सत्यानन्द सरस्वती), गोविन्द मठ टेढ़ी नीम, वाराणसी, सं. 2040
2. न्यायदर्श : (वात्स्यायन भाष्य सहित, हिन्दी व्या. दुण्डिराज शास्त्री), चौखम्बा संस्कृत, सीरीज़ आफिस, वाराणसी,

1970

3. प्रशस्तपादभाष्य : प्रशस्तपाद : (हि. व्या. ढण्डिराज शास्त्री), चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 1970
4. सर्वदर्शनसंग्रह : मध्वाचार्य (भाष्य, उमा शंकर शर्मा), चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, वाराणसी, 1963

Paper -XV सांख्य, योग, मीमांसा और भारतीय दर्शन का इतिहास (i)

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Time Allowed : 3

Hours

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

२२ अंक

- (क) इस भाग के अन्तर्गत सांख्यतत्त्वकौमुदी निर्धारित है। इस ग्रंथ के निर्धारित भाग में से कोई दो सूत्र/कारिका देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत पातञ्जल योगदर्शन निश्चित है। इस पाठ्यक्रम के निर्धारित भाग में से कोई दो सूत्र देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत अर्थसंग्रह निर्धारित है। इस ग्रंथ के निर्धारित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत भारतीय षड्दर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण निर्धारित है। इसके निर्धारित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	सांख्यतत्त्व कौमुदी (कारिका 1-20) और पातञ्जलयोग दर्शन (पाद 1, 2)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	अर्थसंग्रह (प्रारम्भ से विनियोग विधि तक) और	23 अंक

सांख्य योग, मीमांसा, बौद्ध, चार्वाक

द्वितीय भाग :

३० अंक

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. सांख्यतत्त्व कौमुदी : (तत्त्व प्रकाशिका हि. टी. वाचस्पति मिश्र), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1977
2. पातञ्जल योगदर्शन : (तत्त्ववशादी सहित), भारतीय विद्या प्रकाशन, 1971
3. अर्थसंग्रह: लौगाक्षिभास्कर (सं. अर्थलोक तथा हि. व्याख्या), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1990
4. अर्थसंग्रह : लौगाक्षिभास्कर (हि. व्या. कामेश्वर नाथ मिश्र), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1994

Books Recommended for Study

1. Indian Philosophy : S. Radhakrishnan Oxford, University Press, Bombay, 1992
2. History of Indian Philosophy : S. N. Dasgupta, Moti Lal Banarsi Das, Delhi, 1975
3. Outline of Indian Philosophy : M. Hiriyanna, George Allen Street, London, 1958
4. Six System for Indian Philosophy : Maxmuller, Max Muller Associated Publishing House, New Delhi, 1982
5. Introduction of Indian Philosophy : chatterjee and Dutta, Calcutta University, Calcutta
6. भारतीय दर्शन, दत्त चटर्जी, पुस्तक भण्डार, पटना।
7. भारतीय दर्शन, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा, वाराणसी।
8. भारतीय दर्शन : डॉ. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

Paper -XVI सांख्य, योग, मीमांसा और भारतीय दर्शन का इतिहास (ii)

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा।

प्रथम भाग के पैत्तालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत सांख्यतत्त्वकौमुदी निर्धारित है। इस ग्रंथ के निर्धारित भाग में से कोई दो सूत्र/कारिका देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत पातञ्जल योगदर्शन निश्चित है। इस पाठ्यक्रम के निर्धारित भाग में से कोई दो सूत्र देकर उनमें से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (10 x 1 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई के अन्तर्गत अर्थसंग्रह निर्धारित है। इस ग्रंथ के निर्धारित भाग में से कोई दो सन्दर्भ देकर किसी एक की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (12 x 1 = 12)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत भारतीय षड्दर्शन का ऐतिहासिक सर्वेक्षण निर्धारित है। इसके निर्धारित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। (11 x 1 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई	:	सांख्यतत्त्व कौमुदी (कारिका 21-72) और पातञ्जलयोग दर्शन (पाद 3, 4)	22 अंक
द्वितीय इकाई	:	अर्थसंग्रह (प्रयोग विधि लक्षण से समाप्ति पर्यन्त) और न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, जैन	23 अंक

द्वितीय भाग :

३० अंक

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. सांख्यतत्त्व कौमुदी : (तत्त्व प्रकाशिका हि. टी. वाचस्पति मिश्र), चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1977
2. पातञ्जल योगदर्शन : (तत्त्वदैशारदी सहित), भारतीय विद्या प्रकाशन, 1971
3. अर्थसंग्रह: लौगाक्षिभास्कर (सं. अर्थलोक तथा हि. व्याख्या), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1990
4. अर्थसंग्रह : लौगाक्षिभास्कर (हि. व्या. कामेश्वर नाथ मिश्र), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 1994

Books Recommended for Study

1. Indian Philosophy : S. Radhakrishnan Oxford, University Press, Bombay, 1992

2. History of Indian Philosophy : S. N. Dasgupta, Moti Lal Banarsi Das, Delhi, 1975
3. Outline of Indian Philosophy : M. Hiriyanna, George Allen Street, London, 1958
4. Six System for Indian Philosophy : Maxmuller, Max Muller Associated Publishing House, New Delhi, 1982
5. Introduction of Indian Philosophy : chatterjee and Dutta, Calcutta University, Calcutta
6. भारतीय दर्शन, दत्त चटर्जी, पुस्तक भण्डार, पटना।
7. भारतीय दर्शन : डॉ. राधाकृष्णन, राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली।

Group – D :

संस्कृत व्याकरण

Paper -XI

संस्कृत व्याकरण (i)

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालिस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- क-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्त कौमुदी के प्रथम भाग में से संज्ञा से संधि प्रकरण तक निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं तीन की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा।
- क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। (4 + 8 = 12)
- ख-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्त कौमुदी के प्रथम भाग में से समास और तिङन्त पर्यन्त निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग चार अंकों का होगा।
- ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। (4 + 6 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस भाग के अन्तर्गत महाभाष्य निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस भाग के अन्तर्गत वाक्यपदीयम् निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो चार कारिकाएं देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Coruses of Reading

प्रथम इकाई :	सिद्धान्तकौमुदी - प्रथम भाग (संज्ञा से संधि प्रकरण तक) और सिद्धान्तकौमुदी - द्वितीय भाग (समास और तिङन्त प्रकरण तक)	22 अंक
तृतीय इकाई :	महाभाष्य (प्रथम आह्निक) वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड 1 से 75)	23 अंक

द्वितीय भाग :**३० अंक**

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।
(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. सिद्धान्तकौमुदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
2. महाभाष्य : (स. हि. टीका), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. महाभाष्य : (व्या. चारूदेव शास्त्री), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
4. वाक्यपदीयम् : भर्तृहरि ब्रह्मकाण्ड : (हि. सं. टीका सूर्यनारायण शुक्ल), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1990

Paper -XIV**संस्कृत व्याकरण (ii)**

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

- क-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी के प्रथम भाग में सुबन्त से स्त्री प्रत्यय तक निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं तीन की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा।
- क-II यह भाग चार अंकों का होगा। इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। (6 + 6 = 12)
- ख-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी के प्रथम भाग में से समास और तिङन्त पर्यन्त निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं ती की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग चार अंकों का होगा।
- ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। (4 + 6 = 10)

द्वितीय इकाई

(२३ अंक)

- (क) इस इकाई के अन्तर्गत महाभाष्य निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाए। (6 x 2 = 12)
- (ख) इस इकाई के अन्तर्गत वाक्यदीप निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो चार कारिकाएं देकर किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या पूछी जाए। (5½ x 2 = 11)

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	सिद्धान्त कौमुदी - प्रथम भाग (सुबन्त से स्त्री प्रत्यय तक) और सिद्धान्त कौमुदी - प्रथम द्वितीय (तद्धित प्रकरण तक)	22 अंक
द्वितीय इकाई :	महाभाष्य (प्रथम आह्निक) और वाक्यपदीयम् (ब्रह्मकाण्ड 76 से 156)	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।
(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. सिद्धान्तकौमुदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली।
2. महाभाष्य : (स. हि. टीका), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
3. महाभाष्य : (व्या. चारुदेव शास्त्री), मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली।
4. वाक्यपदीयम् : भर्तृहरि ब्रह्मकाण्ड : (हि. सं. टीका सूर्यनारायण शुक्ल), चौखम्बा संस्कृत भवन, वाराणसी, 1990

Paper -XV**संस्कृत व्याकरण (iii)**

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तोस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई**(२२ अंक)**

क-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी का तृतीय भाग भ्वादिगण निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं तीन की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा।

क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। **(6 + 6 = 12)**

ख-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी का चतुर्थ भाग पूर्वकृदन्त निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई चार सूत्र देकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग चार अंकों का होगा।

ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः (6) अंकों का होगा। **(4 + 6 = 10)**

द्वितीय इकाई**(२३ अंक)**

(क) इस इकाई के अन्तर्गत वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाए। **(6 x 2 = 12)**

(ख) इस इकाई के अन्तर्गत व्याकरणशास्त्र का इतिहास निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। **(11 x 1 = 11)**

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	सिद्धान्तकौमुदी - भाग तृतीय (भ्वादिगण) और सिद्धान्तकौमुदी - भाग चतुर्थ (पूर्वकृदन्त)	22 अंक
द्वितीय इकाई :	वैयाकरण सिद्धान्तपरमलघुमंजूषा (शक्तिनिरूपण)	23 अंक

संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास (पूर्वपाणिनी युग)

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं।

(3 x 10 = 30)

Prescribed Test Books

1. सिद्धान्तकौमुदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1978
2. वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा : सं. के. डी. शास्त्री, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1975
3. वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा : (ज्योत्स्ना टी. कालिका प्रसाद शुक्ल) संस्कृत महाविद्यालय, महाराजसयाजिराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 1961

Books Recommended for Study

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास : युधिष्ठिर मीमांसक, राम लाल कपूर ट्रस्ट बहालगढ़ (सोनीपत)।
2. संस्कृत व्याकरण दर्शन : राम सुरेश त्रिपाठी, राज कमल प्रकाशन फैज बाजार, दिल्ली-6, 1992
3. संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास : सत्यकामवर्मा, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली-1971

Paper -XV

संस्कृत व्याकरण (iv)

Max. Marks : 100

Pass Marks : 35%

Hours

Time Allowed : 3

लिखित प्रश्न पत्र 75 अंकों का और आंतरिक परीक्षण 25 अंक का है।

Instructions for the paper Setter:

1. परीक्षक को कुल 75 अंकों का ही प्रश्न पत्र बनाना है।
2. परीक्षा का माध्यम हिन्दी, पंजाबी, संस्कृत और अंग्रेजी में से कोई भी हो सकता है। प्रश्न-पत्र हिन्दी में होगा।
3. पाठ्यक्रम दो भागों में विभक्त है। प्रथम भाग में दुगुना विकल्प होगा। द्वितीय भाग में कोई विकल्प नहीं होगा। प्रथम भाग के पैंतालीस (45) अंक होंगे और द्वितीय भाग के तीस (30) अंक होंगे।

प्रथम भाग :

इस भाग में दो इकाइयाँ हैं। प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन इस प्रकार है :-

प्रथम इकाई

(२२ अंक)

क-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी का तृतीय भाग अदादि से चुरादि तक निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई छः सूत्र देकर किन्हीं तीन की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा।

क-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग छः अंकों का होगा। $(6 + 6 = 12)$

ख-I इस भाग के अन्तर्गत सिद्धान्तकौमुदी का चतुर्थ भाग उत्तरकृदन्त निर्धारित है। इस निर्धारित अंश में से कोई चार सूत्र देकर किन्हीं दो की सोदाहरण व्याख्या पूछी जाए। यह भाग चार अंकों का होगा।

ख-II इसी प्रश्न के द्वितीय भाग में कोई छः प्रयोग देकर किन्हीं तीन की सूत्रनिर्देशपूर्वक रूपसिद्धिप्रक्रिया पूछी जाए। यह भाग आठ अंकों का होगा। $(4 + 6 = 10)$

द्वितीय इकाई

(क) इस भाग के अन्तर्गत वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई चार सन्दर्भ देकर किन्हीं दो की व्याख्या पूछी जाए। $(6 \times 2 = 12)$

(ख) इस भाग के अन्तर्गत व्याकरणशास्त्र का इतिहास निर्धारित है। पाठ्यक्रम में निश्चित भाग में से कोई दो प्रश्न देकर किसी एक का उत्तर पूछा जाए। $(11 \times 1 = 11)$

Syllabus and Courses of Reading

प्रथम इकाई :	सिद्धान्तकौमुदी - भाग तृतीय (अदादिगण से चुरादिगण)	22 अंक
	सिद्धान्तकौमुदी - भाग चतुर्थ (उत्तरकृदन्त)	
द्वितीय इकाई :	वैयाकरण सिद्धान्तपरमलघुमंजूषा (लक्षणा निरूपण, व्यंजना निरूपण प्रकरण) और संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास (पाणिनी से लेकर उत्तरवर्तीयुग)	23 अंक

द्वितीय भाग :

(३० अंक)

इस भाग में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस लघु उत्तर प्रश्न पूछे जायें। इनमें कोई विकल्प नहीं होगा। ये उपर्युक्त पाठ्य पुस्तकों के अन्तर्गत दिए विषयों से सम्बद्ध हों। इनमें से दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखने अनिवार्य हैं। $(3 \times 10 = 30)$

Prescribed Test Books

1. वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, मोतीलाल बनारसी दास, दिल्ली, 1978
2. वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा : सं. के. डी. शास्त्री, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, 1975
3. वैयाकरणसिद्धान्तपरमलघुमंजूषा : (ज्योत्स्ना टी. कालिका प्रसाद शुक्ल) संस्कृत महाविद्यालय, महाराजसयाजिराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, 1961

Books Recommended for Study

1. व्याकरण शास्त्र का इतिहास : युधिष्ठिर मीमांसक, राम लाल कपूर ट्रस्ट बहालगढ़ (सोनीपत)।
2. संस्कृत व्याकरण दर्शन : राम सुरेश त्रिपाठी, राज कमल प्रकाशन फैज बाजार, दिल्ली-6, 1992
3. संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास : सत्यकामवर्मा, मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली-1971